17-08-2010

Title: Need to look into the problems being faced by the Indian Fishermen along the Coast line.

श्री जगदीश ठाकोर (पाटन): **भारत पाक की अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा में पाकिस्तानी तटरक्षकों द्वारा भारतीय मछुआरों व मोटर बोटों को अपने कब्जे में लिए जाने की घटनाएं आये दिन बढ़ रही हैं। आज भी 500 मछुआरे पाक जेलों में यातनाएं झेल रहे हैं तथा 500 मोटर बोट भी पाक के कब्जे में है। भारत सरकार को पाक सरकार से आधिकारिक एवं राजनयिक स्तर पर ठोस कार्यवाही करनी चाहिए।**

माननीय प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2007 में पाक जेलों में बंद मछुआरों के परिवारों के लिए पैकेज की घोषणा की थी। पाक जेलों में बंद मछुआरों के परिवारों को 3.50 लाख तथा जब्त मोटर बोट के मालिकों को 6 लाख रूपये कैपिटल सब्सिडी देने का ऐलान किया गया। किंतु, संबंधित अधिकारियों द्वारा इस प्रकार की शर्तें लगाई गईं, जिससे गरीब मछुआरों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

आज नई मोटर बोट लगभग 30 लाख रूपये में बनती है। मेरा अनुरोध है कि मछुआरों को 15 लाख रूपये तक की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाये। कुछ दिन पूर्व गुजरात का प्रतिनिधि मंडल माननीय प्रधान मंत्री जी, वित्त मंत्री, कृषि मंत्री से इस संबंध में मिला। सबसे उचित सहायता का आश्वासन दिया गया।

मेरा अनुरोध है कि मछुआरों के लिए बंदरगाहों पर अलग से आधुनिक टर्मिनल, आधुनिक साज सामान की व्यापक व्यवस्था प्रदान की जाये। इसके अतिरिक्त फिसरीज स्टोरेज सुविधा, स्पेशल फिसरीज जोन तथा फिसरीज मार्केटिंग की सुविधा मुहैय्या कराई जाये, जिससे मछुआरों को उचित दाम मिल सकें एवं अपना परिवार का जीवन-यापन ठीक प्रकार से कर सकें।